भ्रष्टाचार

ग्रामीणों नें जिम्मेदार अधिकारियों से की कार्यवाही की मांग

सरपंच-सचिव द्वारा पंचायत की राशि पर लगाई जा रही सेंध

ब्योहारी। जनपद पंचायत ब्यौहारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरी इन दिनों भ्रस्टाचार का गढ़ बना हुआ है। यंहा बिना काम कराये ही राशि का आहरण सरपंच एवं सचिव द्वारा किया जा रहा है और पंचायतो मे निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी भी आंख बंद कर चुप्पी साधे हुए है। देखा जाये तो टूर के नाम पर हर माह भारी भरकम राशि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आहरित की जा रही है पर ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं सचिव द्वारा किये जा रह।

भ्रस्टाचार पर उनकी नजर नहीं पड़ रही है या फिर कुछ और है ये तो वही जाने किन्तु जिस तरह से सरपंच सचिव द्वारा बिना कार्य कराये ही शासकीय राशि मे सेंध

फर्जी बिल लगाकर निकाल ली सीग्रेसन सेड की राशि

ग्राम पंचायत चौरी के सरपंच और सचिव श्रीराम तिवारी द्वारा कुछ ऐसा कारनामा किया गया है जो इन दिनों ग्राम पंचायत मे चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मे सीग्रेसन सेड निर्माण कराये जाने के नाम पर 2 साल पूर्व सरपंच सचिव द्वारा फर्जी बिल लगाकर सम्पूर्ण राशि का आहरण कर लिया गया है और आज तक सीग्रेसन सेड का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है।

लगानें का कार्य किया जा रहा है और उन पर कोई कार्यवाही नही हो रहा उससे लोगों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियो पर सवालिया निशान लगाया जाना स्वाभाविक ही है।

अमृत सरोवर निर्माण के नाम पानी में बहा दिये 19 लाख रूपये

शासन की अति महत्वकांक्षी योजना अमृत सरोवर जिसका उद्देश्य जल संरक्षण और स्थायी जल प्रबंधन कार्य को बढ़ावा देना है उसे भी इन भ्रस्टाचारियों द्वारा नहीं बक्सा गया है लिहाजा उसमे एक बूंद पानी नहीं है। अमृत सरोवर से भले ही किसी का भला न हुआ हो पर सरपंच सचिव का भला जरूर हुआ है।

> वंहा के किसानो द्वारा बताया जा रहा है कि तकनीकी देख रेख करने वाले जिम्मेदार अधिकारी भी सरपंच सचिव से सांठ गांठ कर उनके भ्रस्टाचार पर अपनी मोहर लगा राशि आहरित करने की स्वीकृति दे शासकीय राशि पर सेंध लगाने का कार्य किया गया है जिसकी यदि बारीकी से टीम गठित कर जांच कराई गयी तो पूरा मामला स्पष्ट हो जायेगा।

ग्राम पंचायत में सचिव की अनुपस्थिति से ग्रामीण परेशान

गोहपारू।क्षेत्र के अंतर गत देवदहा का मामला है ग्राम पंचायत देवदहा का मामला प्रकाश में आया है जहां ग्राम पंचायत सचिव कार्यालय से नदारद रहते हैं जहां स्थानीय लोग अपने कार्य के लिए चक्कर लगाते हैं जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

साथ ही हमारी टीम द्वारा लोगों की जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत देवदहा का निरीक्षण किया गया तो ग्राम पंचायत में मोबलाइजर और रोजगार सहायक बैठे रहते है रोजगार सहायक से पूछा जाता है तो कहते है कि कही मीटिंग बताते है तो कही कहते है कि छुट्टी में है जिसके संबंध में ग्राम पंचायत सचिव को दूरभाष नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया जाता है तो वो भी कहते है कि हम छुट्टी में है किंतु मोबाइल फोन से संपर्क करते हैं तो कभी उठाते है तो कभी नही उठाते उनके द्वारा रिसीव नहीं किया जाता ऐसे में ग्रामीणों का परेशान होना लाजमी है।

> **ग्रामीणों का कहना है**
>
> कि सचिव का कार्यालय में नहोना इसका प्रमुख कारण यह है कि वह अपने घर से आते हैं जो पंचायत कार्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूरी पर है। बहरहाल प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए कि पंचायत के ग्रामीण लोगों के साथ साथ ग्राम पंचायत के विकाश में भी असर न पड़े। इनके जिम्मेदार कौन होगा।

आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण कार्यशाला

शहडोल । कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की उपस्थिति में रिलायंस इंडस्ट्रीज के लालपुर स्थित कार्यालय में आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए जन जागरुकता अभियान सतत रूप से चलाया जाए, किसी भी दुर्घटना के घटित होने पर प्रशिक्षित दलों को समय पर भेजकर बचाव के कार्य किए जाए, इसके साथ ही स्थानीय लोगों को भी प्रशिक्षित करे।

जिले में काम करने वाले संस्थानों को संभावित दुर्घटनाओं को टालने, घटना होने पर बचाव के सभी आवश्यक उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। जिले में कार्यरत रिलायंस तथा ओरियंट पेपर मिल में सुरक्षा उपायों तथा संभावित दुर्घटनाओं तथा सूचना तंत्र की समीक्षा की। क्षमता निर्माण कार्य शाला में जहरीली गैस से बचाव,भूकंप के समय जीवन रक्षा के उपाय, केमिकल दुर्घटनाओं से बचाव,कार्डियक अटैक से बचाव हेतु सीपीआर के उपयोग,बाढ़,सूखा तथा तूफान से बचाव के उपाय भी बताए गए। कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर रखे तथा विभिन्न विभागों के पास उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी संकलित करके रखें। सोशल मीडिया में वायरल होने वाली खबरें, पोस्टें पर नजर रखें, अपवाह वाली खबरों की सतत मॉनिटरिंग करें तथा आवश्यकता होने पर उनका खंडन भी कराए। कार्यशाला में एसईसीएल के जीएमकृष्णा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओ पी.टी.आई. पुलिस सहित प्रशिक्षित आपदा प्रबंधन दल के सदस्य उपस्थित रहे।

संभागीय मुख्यालय में 15 स्थानों पर 15 खेल विधाओं का दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण हेतु खेल मैदान एवं प्रशिक्षक चयनित

शहडोल । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संभागीय मुख्यालय शहडोल में आगामी 12 मई से 15 खेल विधाओं का प्रशिक्षण 15 खेल मैदानों में दिया जाएगा। जिसके लिए खेल मैदानों एवं खेल प्रशिक्षकों का चयन कर लिया गया है। महात्मा गांधी स्टेडियम शहडोल में एथलेटिक्स का प्रशिक्षण प्रशिक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, हैंडवाल का प्रशिक्षण श्रीदेवी सोनी, वालीवाल का प्रशिक्षण रतन सिंह ठाकुर, बास्केट बाल का प्रशिक्षण केके श्रीवास्तव, कबड्डी का प्रशिक्षण कल्पना अहिरवार, बैडमिन्टन का प्रशिक्षण प्रशिक्षक सतेन्द्र सोनी द्वारा, टेबिल टेनिस का प्रशिक्षण प्रशिक्षक पीपी सिंह द्वारा दिया जाएगा। सेपकटेकरा का प्रशिक्षण शान्ति मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल शहडोल में प्रशिक्षक रामकिशोर चौरसिया द्वारा, खो-खो का प्रशिक्षण रेलवे स्कूल खेल मैदान में प्रशिक्षक रहीम खान, कराटे का प्रशिक्षण रघुराज स्कूल क्रमांक 01 में प्रशिक्षक अजय चौधरी, विराट मार्सल आर्ट एकेडमी में जूडो का प्रशिक्षण विराट मार्सल आर्ट एकेडमी में शिवानी नामदेव तथा लाठी का प्रशिक्षण प्रशिक्षक प्रमोद विश्वकर्मा फुटबाल का प्रशिक्षण विचारपुर फुटबाल खेल मैदान में प्रशिक्षक नरेश कुण्डे द्वारा दिया जाएगा। ज्ञानोदय अशासकीय स्कूल मैदान में बाक्सिंग का प्रशिक्षण प्रशिक्षक अंसुमन सिंह तथा ताईक्वाडो का प्रशिक्षण आकाश पुरी गोस्वामी द्वारा दिया जाएगा।

आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खेलते सटोरिया गिरफ्तार

जबलपुर। क्राईम ब्रांच, लार्डगंज पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही कर बल्देवबाग चौक के पास आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खेलते सटोरिए को गिरफ्तार किया।टीआई नवल सिंह आर्य ने बताया कि क्राईम ब्रांच एवं लार्डगंज की संयुक्त टीम द्वारा घेराबंदी कर शैलेष कोष्टा 34 वर्ष निवासी छोटा फुहारा को पकड़ा जो आईपीएल क्रिकेट मैच पंजाब वर्सेस दिल्ली के मैच की हारजीत पर रूपयों का दाव लगा रहा था। जिसके कब्जे से 2मोबाइल 8 हजार 100 रूपये जप्त किए गए।

विकसित भारत का संकल्प, आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

शहडोल। सरस्वती शिशु मंदिर पाण्डवनगर में 15 दिवसीय विद्या भारती के आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के नवम दिवस के संवाद सत्र में अखिलेष मिश्रा (संगठन मंत्री मध्यक्षेत्र) ने ''विकसित भारत का संकल्प'' विषय पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ऋषियों व मनीषियों का देश रहा है भारतीय दर्शन में विकास को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चिन्तन पर व्यक्त किया गया है ।

ब्रम्हचर्य, ग्रहस्थ, वानप्रस्थ, व संन्यास मानव जीवन के आश्रमों के साथ पंचकोषीय विकास के आधार पर भारतीय दर्शन शास्त्रियों में विकास की परिकल्पना की है जो दीर्घकालिक होती है । विश्व में विकास के कई दर्शन आये व देषों को विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया में प्रस्तुत किया गया लेकिन वे राष्ट्र अस्थिर हैं व वहां के नागरिक भोगवादी नीति के कारण परेषान हैं । पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्मवाद का दर्षन जिसमें सर्वे भवन्तु सुखिन: के भाव से व्यक्ति, समाज व लोक कल्याण की कामना की गई है ''भारत के विकास में भारत का दर्शन हो''

यही विकसित भारत का संकल्प है ।जितेन्द्र सिंह परिहार मंत्री मध्यक्षेत्र ने विद्याभारती के लक्ष्य की व्याख्या करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर द्वारा ऐसे बालकों का निर्माण किया जाता है जिनमें राष्ट्रभक्ति हो और उनका शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक व अध्यात्मिक रूप से विकास हो। आज विश्व के बदलते परिदृश्य में सभी चुनौतियों का सामना दृढ़ता कर सके । वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से प्रेरित होकर विष्व कल्याण के लिये समर्पित हो । प्रषिक्षण वर्ग में अमित दवे (प्रांत संगठन मंत्री), सुधीर अग्रवाल (प्रादेशिक सचिव) शिवानन्द सिन्हा (प्रांत प्रमुख), रवि मिश्रा (वर्गकार्यवाह) व अन्य पूर्णकालिक कार्यकर्ता नई षिक्षा नीति 2020 के अनुसार महाकोशल प्रांत के 22 जिलों से आये आचार्य/दीदियों को शिक्षण कौशल में दक्ष कर रहे हैं व उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। वर्ग व्यवस्था मण्डल रामशिरोमणि शर्मा, रवि रजक, भारती गुप्ता, संतोष लोहानी, विष्णु मिश्रा सर्व व्यवस्था प्रमुख व अनिल द्विवेदी प्राचार्य शिक्षार्थियों को मौसम अनुकूल आवास, जल व उत्तम भोजन की व्यवस्था करा रहे हैं । प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विद्यालयों से आये 94 पुरूष आचार्य, 69 महिला आचार्या, विद्या भारती के 25 कुशल प्रशिक्षकों द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत तकनीकी शिक्षा के साथ छात्रों के समग्र विकास के पाठों से शिक्षित व दीक्षित किये जा रहे हैं ।

पत्नी की हत्या का सुलझा मामला

आरोपी छोटेलाल कोल 24 घंटे में ब्यौहारी पुलिस की गिरफ्त में

शहडोल । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है, थाना ब्यौहारी क्षेत्रांतर्गत दिनांक 09.05.2025 को फरियादी रामप्रकाश कोल पिता बाल्मीक कोल, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम खड्डा द्वारा थाना ब्यौहारी में उपस्थित आकर इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 08.05.2025 को भांजी सुधा कोल को पति छोटेलाल कोल ने भल्लू उर्फअमृतलाल कोल के साथ पकड़ लिया था।

इस बात को लेकर छोटेलाल द्वारा रॉड एवं डंडा से पत्नी सुधा कोल के साथ मारपीट किया, जिस कारण भांजी सुधा कोल की मृत्यु हो गई है फरियादी की रिपोर्ट पर थाना ब्यौहारी

मे अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस टीम एवं फरेंसिक टीम शहडोल द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया तथा मृतिका के शव का पंचनामा कर पी.एम. जांच कराया गया, जिसमे मृतिका की हत्या किये जाने की पुष्टि हुई है। प्रकरण की विवेचना के आधार पर आरोपी छोटेलाल कोल पिता सूरज कोल, निवासी जुनिया मोहल्ला, ब्यौहारी के विरूद्ध अपराध प्रमाणित पाये जाने पर 02 टीमे गठित कर आरोपी छोटेलाल की तलाश की गई तथा आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी छोटेलाल कोल द्वारा लोहे की रॉड एवं डंडे से पत्नी सुधा कोल एवं भल्लू उर्फअमृत लाल कोल के साथ मारपीट करना तथा सुधा कोल की मारपीट कर हत्या कर देना स्वीकार किया गया। आरोपी छोटेलाल कोल से घटना मे प्रयुक्त लोहे की रॉड एवं लकड़ी का डंडा जप्त किया गया है तथा आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं दिनांक 10.05.2025 को न्यायालय पेश किया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी के दिशा निर्देशन में ब्यौहारी पुलिस द्वारा की गई है। कार्यवाही में थाना प्रभारी ब्यौहारी निरीक्षक अरूण कुमार पाण्डेय एवं अधिनस्थ स्टाफ वीरेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र उपाध्याय, अजीत यादव, संजय द्विवेदी, अमृत यादव, पुष्पेन्द्र सिंह की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

मालवाहक पिकअप, ट्रैक्टर में ढ़ो रहे सवारियां

गोहपारू थाना क्षेत्र व थाना के सामने से निकलती है गाड़ियाँ

गोहपारू । गोहपारू में लगातार पिकअप ट्रैक्टर से और आटो जैसे मालवाहक गाडी से ठूस ठूस कर बारात ले जाया जाता है एवं ग्रामीण क्षेत्रो से बाजार के लिए सवारी ले जाया जाता है लगातार पिकअप वाहन से मालवाहक गाड़ी थाना के सामने से प्रतिदिन बारात के लिए कई पिकअप गाड़ी मालवाहक से बारातियों को ले जाया जाता है जिससे दुर्घटना होने पर कई बारातिया एवं सवारी की जान चली जाती है.

वहीं थाना गोहपारु के सामने से पिकअप जैसे माल वाहक गाड़ी निकलती है गोहपारू पुलिस इन पिकअप गाड़ियों के ऊपर कोई

कार्यवाही नहीं कर पा रही है जैसे मालवाहक मालिकों का हौसला बुलंद है जिससे मनुष्य के जिन्दगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं अभी हाल ही में लगभग एक माह पहले जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत बस पलट गई थी जिससे बहुत सवारियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा ।मालवाहक गाड़ी पिकअप पलटने से भी कई बारतियो एवम सवारियों की मृत्यु हो सकती है एवं कई लोगो को गंभीर चोट लग सकती है एव घायल हो सकते है वही ग्राम खन्नौधी में घटना एक माह पूर्व में हुआ था बारातियों से भरा कृषि यंत्र के लिए बनाया गया ट्रैक्टर पलटने से कई लोगों को गंभीर चोटे आ चुकी है लेकिन उसके बावजूद भी थाना के सामने एवं तिराहा चौराहा से माल वाहक पिकअप गाड़ी जैसे वाहन प्रतिदिन थाना जयसिंहनगर गोहपारू से निकलती है और पुलिस उनको देखते ही रह जाती है आखिर पुलिस इन मालवाहक को गाड़ियों को पर कोई कार्यवाही नहीं होती पुलिस के ऊपर सवाल यह भी उठता है कि सप्ताह महीना तो फिक्स नहीं है आखिर कहीं ना कहीं पुलिस कार्यवाही नहीं कर पा रही है तो कौन करेगा इन पर कार्यवाही और कौन होगा जिम्मेदार।

ठेकेदार से मारपीट कर की लूटपाट

जबलपुर।हनुमानताल थाना क्षेत्र में बदमाशों ने ठेकेदार के साथ मारपीट करते हुए लूटपाट कर दी। इसके बाद फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक राजकुमार पटैल 54 वर्ष निवासी स्टार सिटी फेस 4 कटंगी रोड थाना माढ़ोताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ठेकेदार है। शुक्रवार दोपहर लगभग 3 बजे सुखे हुये हनुमानताल तालाब के बीच में काम करा रहा था तभी वहीं पर बने फुहारे के नीचे धर्मेन्द्र सोनकर, नितिन सोनकर, अक्षय सोनकर उर्फराहुल, लीला सोनकर बैठे थे, चारों लड़के उसके पास आये उनमें से धर्मेन्द्र उर्फ भूरा उससे पार्टी करने के लिये 5 हजार रूपये मांगने लगा, उसने मना किया तो चारों उसके साथ मारपीट करने लगे।उसका मोबाइल तोड़ दिया। जेब में रखे 14 हजार रूपये, व्यापार संबंधी लेखा जोखा के कागजात ले गए।

अवैध निर्माण

प्राथमिक दृष्टिकोण में यह पाया गया था की मौका स्थल पर निर्माण कार्य ली गई परमिशन से ज्यादा

मामला करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण का, अब होगा 25 को सीमांकन

शहडोल।राजेंद्र टॉकीज के पीछे मस्ता परिवार द्वाराबहुचर्चित भूमि अतिक्रमण के प्रकरण से संबंधित जमीन की सीमांकन के लिए राजस्व व नजूल तथा पटवारी का दल आज सीमांकन के लिए मौका स्थल पर पहुंचा इसी दौरान बरसात होने के कारण कुछ देर के लिए सीमांकन की कार्यवाही प्रभावित हुई लेकिन जैसे ही सीमांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई राजस्व अधिकारियों के स्तर पर बुलाई गई एक बड़ी मीटिंग के कारण राजस्व डाल टीम ने सीमांकन की कार्यवाही तक के लिए टाल दी गई तत्पश्चात 25 मई को अगली सीमांकन हेतु तिथि सुनिश्चित करके राजस्व दल ने उपस्थित दोनों पक्षकार शिकायत करता चंद्रिका प्रसाद शुक्ला तथा मिनांशु मस्ता को मौके पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया सीमांकन की प्रक्रिया पूरी हो सके। प्राथमिक दृष्टिकोण में यह पाया गया था की मौका स्थल पर निर्माण कार्य ली गई परमिशन से ज्यादा जमीन पर निर्मित किया गया है साथ ही आप यह भी है कि जिस खसरा नंबर 1849 में तथाकथित किराएदारी के आधार पर स्टेट बैंक के लिए बनाई जा रहे नवीन भवन निर्माण जिस खसरा नंबर 1849 में निर्मित किया जाना है वास्तव में वह 1847 में भूमि अतिक्रमण कर निर्माण किया जा रहा है। हालांकि पक्षकार मस्ता परिवार इस बात से सहमत नहीं है किंतु वह राजस्व अधिकारियों को जांच करने में सहयोग भी करता हुआ दिखाई नहीं दिया जिससे चोर की दाढ़ी में तिनका की कहावत सिद्ध होती दिखाई दे रही है

बहरहाल जनसुनवाई में वार्ड नं.-14 निवासी सेवानिवृत्ति मीनिंग सरवर चंद्रिका प्रसाद शुक्ल ने कमिश्नर शहडोल के सामने अपनी समस्या रख कर बताई कि उनकी जमीन सोहागपुर की आराजी खसरा नंबर 1847 के अंश रकवा 0.040 हे0 क्षेत्र को क्रय कर शहडोल कलेक्ट्रेट में अपनी सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त के बाद भवन रह रहा है। और उनकी निजी जमीन तथा उससे लगे खसरा नंबर 1847 के दक्षिण भाग पर निस्तारू रास्ता था जिसमें पूर्व भूमिस्वामी मिनांसु मस्ता द्वारा गैर कानूनी तरीके से अवैध निर्माण कर विवाद बना रहा है। बताया जाता है उन्होंने पहले आपसी समझौता के आधार पर निस्तार चलता रहा। अब मेरी जमीन तथा आरक्षित रास्ते की जमीन पर में मिनांसु द्वारा स्टेट बैंक का व्यवसायिक कार्यालय बनाये जाने के कारण स्वतंत्र रास्ता पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है जबकि नगर पालिका अधिकारी द्वारा मकान के संबंध में जारी की गई अनुमति को अब तक ना तो निरस्त किया गया है और ना ही इस पर कोई प्रभावशाली रोकपूर्ण कार्रवाई की गई है। जिससे आम रास्ता सड़क के लिए आरक्षित की जमीन पर अवैध कब्जा लगातार हो रहा है। देखना यह भी होगा कि स्टेट बैंक अपने फायदे के लिए क्या इस अवैध निर्माण पर अपनी सहमति प्रदान करती है अथवा वह भी भ्रष्टाचार की गंगा में गोता लगाने पर विश्वास करती है।

> मौके पर उपस्थित अतिक्रमण के आरोपी मिनांशु मस्ता के पिता जेपी मस्ता भी वहां पर उपस्थित रहे उन्होंने कहा की जमीन पूर्व में राजेंद्र नगर के रूप में विकसित की गई थी जिसका टाउन कंट्री प्लानिंग से एक नक्शा भी बना है जिसके आधार पर राजेंद्र नगर का विकास हुआ है जो फिलहाल राजेंद्र टॉकीज के पीछे वाला हिस्सा है। विवाद इस पर भी देखा गया कि रास्ते का निर्धारण टाउन कंट्री प्लानिंग के कथित नक्शे पर आधारित है जो खसरा नंबर 1847 की जमीन का अंश भाग है इस तरह उपस्थित राजस्व दल ने पहली नजर में सीमांकर के साथ खसरा नंबर 1847 और 1849 नंबर की सीमाओं को निर्धारण कर प्राथमिकता के आधार पर इस सीमांकन को 25 में को संपन्न करगें। जबकि शिकायत करता चंडिका प्रसाद शुक्ल का कहना है इस तरह की लेट होने से अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ रहा है और वह अतिक्रमण को पूर्ण रूपेण तेजी से कार्य कर अंजाम दे सकता है।